प्रेषक,

विजय प्रताप सिंह,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग,
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

खाद्य प्रसंस्करण अनुभाग लखनऊ: दिनांक: 29 मार्च, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए अनुदान संख्या-10 के आयोजनेत्तर पक्ष में 2401-001-05-जिला व मण्डलीय कार्यालय की योजना के अन्तर्गत मानक मद 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण पुर्नविनियोग माध्यम से स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-289/बजट-आयोजनेत्तर/2015-16 दिनांक 11.01.2016 के सन्दर्भ में एवं शासन के पुर्नविनियोग संख्या-आर0ई0-549/ई-1/दस-2016, दिनांक-17.03.2016 पृष्ठांकन संख्या-267/58-2-2016-300(3)/2016 दिनांक 29.03.2016 की छाया प्रति संलग्न कर भेजते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्त विभाग द्वारा लेखाशीर्षक 2401-001-03-00-केन्द्रीय निदेशालय के अन्तर्गत मानक मद 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण एवं 2401-00-001-05-00-जिला व मण्डलीय कार्यालय की योजना के अन्तर्गत मानक मद 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण में पुर्नविनियोग के माध्यम से धनराशि रू0-1757.00 हजार (रूपया सत्रह लाख सत्तावन हजार) के सापेक्ष धनराशि **रू0-878.00 हजार (रूपया आठ लाख अठहत्तर हजार मात्र)** को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-

(धनराशि हजार रूपये में)

अनुदान सं0	लेखाशीर्षक/मद का नाम	आय-व्ययक प्राविधान	पुर्नविनियोग के फलरूवरूप प्राविधानित धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि
10	2401-001-03-00-केन्द्रीय निदेशालय 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	105	281	176
	2401-001-05-जिला व मण्डलीय कार्यालय 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	250	952	702
	योग-	**355**	**1233**	**878**

(रूपया आठ लाख अठहत्तर हजार मात्र)

1- अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय नियमानुसार किया जायेगा। विचलन की स्थिति में इसके लिए निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण/मुख्य वित्त नियंत्रक/आहरण वितरण अधिकारी एवं सम्बन्धित जनपदीय अधिकारी सीधे उत्तरदायी होंगे।

.....2/-

http://shasanadesh.up.nic.in

2- अवमुक्त की जा रही धनराशि का किसी अन्य मद में किसी भी दशा में व्यय नहीं किया जायेगा। अन्य मद में किया गया व्यय वित्तीय अनियमितता मानी जायेगी। इसके लिए संबंधित अधिकारी सीधे उत्तरदायी होंगे।

3- केन्द्रीय निदेशालय के लिए मशीनों हेतु आवंटित धनराशि में से एक फोटोकापीयर मशीन राजकीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ में स्थापित कर शासन को अवगत कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

4- भण्डार क्रय नियमों/वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

5- उक्त धनराशि के व्यय करने के पूर्व जहां आवश्यक होगा सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति प्राप्त कर ली जायेगी।

6- व्यय की गयी धनराशि का विवरण उपलब्ध कराया जायेगा। यदि उक्त मद में कोई धनराशि बचती है तो उसे शासन को यथासमय समर्पित किया जायेगा।

7- उक्त धनराशि को पुर्नविनियोग के निर्धारित प्रपत्र सं0 बी0एम0-9 पर संलग्नक के अनुसार वित्त विभाग की सहमति से व्यवस्थित की गयी है।

8- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015, दिनांक-30.03.2015 में प्रतिनिधानित अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

संलग्नक-यथोक्त

(विजय प्रताप सिंह)
अनु सचिव।

संख्या-27/2016/381(1)/58-2-2016, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महालेखाकार, लेखा प्रथम,उ0प्र0 इलाहाबाद।
2- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
3- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1
4- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 को तीन प्रतियों में।
5- वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-1
6- वित्त नियन्त्रक/आहरण वितरण अधिकारी निदेशालय उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उ0प्र0 लखनऊ।
7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(विजय प्रताप सिंह)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in